वर्त्तमान में नक्सलवाद का स्वरूप

मो० इजहारूल हक

इस आलेख में नक्सलवाद को समझाते हुए इसके कारणों की चर्चा करते हुए गुण एवं दोष पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही साथ वर्त्तमान में नक्सलवाद की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके प्रभाव की चर्चा की गई।

नक्सलवाद का उद्‌भव सिलीगुड़ी संभाग के नक्सलबाड़ी में भूस्वामियों व भूमिहीन कृषकों के मध्य संघर्षोपरांत हुआ था। प्रारम्भ में नक्सलवाद आन्दोलन साम्यवाद के सिद्धांतों पर आधारित था, जिसके तहत् शोषित/उपेक्षित/वंचित वर्ग अपनी शक्ति में पूंजीपतियों, जमींदारों, साहूकारों, शासकों से उनकी सत्ता को हथिया लेते थे। वर्त्तमान समय में नक्सलवादी आन्दोलन अपने मूलभूत सिद्धांतों, उद्‌देश्य व कार्यप्रणाली से दिग्भ्रमित हो चुका है।